शुक्रवार, 8 मई, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

अंबाती रायडू को मिली हैदराबाद क्रिकेट में बड़ी जिम्मेदारी

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

बॉबी देओल की 'बंदर' ने आते ही बढ़ाया सस्पेंस

Page-05

तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव के बाद सरकार गठन को लेकर राजनीतिक संकट गहरा गया है।सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी TVK का आरोप है कि DMK और AIADMK उसे सत्ता से दूर रखने की कोशिश कर रही हैं।इस बीच कमल हासन ने भी विजय का समर्थन करते हुए जनादेश का सम्मान करने की मांग की है।

TVK की चेतावनी 107 विधायक देंगे इस्तीफा

- **TVK ने चेतावनी दी है कि अगर DMK या AIADMK सरकार बनाने का दावा करती है, तो पार्टी के सभी 107 विधायक इस्तीफा दे देंगे।**
- **राज्यपाल ने विजय को सरकार बनाने के लिए 118 विधायकों के समर्थन पत्र लाने को कहा है।**

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद राज्य में सरकार गठन को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। अभिनेता विजय की पार्टी 'तमिलगा वेट्री कज़गम' (TVK) ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा है कि अगर एमके स्टालिन की डीएमके या ई पलानीस्वामी की एआईएडीएमके सरकार बनाने का दावा करती है, तो पार्टी के सभी 107 विधायक इस्तीफा दे देंगे।टीवीके का आरोप है कि डीएमके और एआईएडीएमके राज्य में सरकार बनाने के लिए आपसी समझौते की कोशिश कर रही हैं और सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद TVK को नजरअंदाज किया जा रहा है। पार्टी ने यह चेतावनी दोनों दलों के बीच हुई अहम बैठकों के बाद दी है।पहली बार चुनाव मैदान में उतरी विजय की पार्टी ने 108 सीटें जीती हैं। इनमें से दो सीटों पर खुद विजय विजयी हुए हैं। पार्टी का कहना है कि सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते राज्यपाल को सरकार बनाने के लिए पहले TVK को आमंत्रित करना चाहिए।हालांकि, राज्यपाल आरवी अलेंकर ने विजय को सरकार बनाने का दावा पेश करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि TVK के पास बहुमत के लिए जरूरी 118 विधायकों का समर्थन नहीं है। सूत्रों के मुताबिक, विजय ने समर्थन का दावा पेश किया था, लेकिन राज्यपाल ने समर्थन पत्र उपलब्ध कराने की शर्त रखी।राजभवन की ओर से जारी बयान में कहा गया कि विधानसभा में सरकार गठन के लिए आवश्यक बहुमत अभी तक किसी के पास नहीं है।इस बीच अभिनेता और 'मक्कल निधि मय्यम' के नेता कमल हासन ने विजय का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि जनता के जनादेश का सम्मान होना चाहिए और सबसे बड़ी पार्टी के नेता के तौर पर विजय को सरकार बनाने का मौका मिलना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने संजय कपूर ट्रस्ट विवाद में दिया बड़ा आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को संजय कपूर परिवार ट्रस्ट विवाद में बड़ा आदेश देते हुए पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ को मध्यस्थ नियुक्त किया है। यह मामला दिवंगत उद्योगपति संजय कपूर की मां रानी कपूर और उनकी पत्नी प्रिया कपूर के बीच संपत्ति और ट्रस्ट नियंत्रण को लेकर चल रहा है।न्यायमूर्ति जे. बी. परदीवाला की अध्यक्षता वाली पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुयान भी शामिल थे, ने सभी पक्षों की सहमति के बाद यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि यह पारिवारिक विवाद है और इसे सौहार्दपूर्ण तरीके से सुलझाया जाना चाहिए। सभी पक्षों को मध्यस्थता प्रक्रिया में सकारात्मक और खुले मन से भाग लेने का निर्देश दिया गया है।सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि मामले से जुड़ा कोई भी पक्ष सार्वजनिक बयान न दे और न ही सोशल मीडिया पर टिप्पणी करे। कोर्ट ने कहा कि विवाद को परिवार के भीतर ही सीमित रखा जाए और इसे सार्वजनिक चर्चा का विषय न बनाया जाए।न्यायालय ने प्रारंभिक मध्यस्थता रिपोर्ट मांगी है और अगली सुनवाई अगस्त की शुरुआत में तय की है। इससे पहले कोर्ट ने सभी पक्षों को मध्यस्थता का रास्ता अपनाने की सलाह दी थी, यह कहते हुए कि लंबी कानूनी लड़ाई किसी के हित में नहीं होगी।रानी कपूर ने आरोप लगाया है कि ट्रस्ट का गठन धोखाधड़ी से किया गया और इससे उन्हें संपत्ति से वंचित किया गया। संजय कपूर की मृत्यु के बाद यह विवाद और गहरा गया है।

सुवेंदु अधिकारी का बड़ा आरोप

भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के सहायक चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले में गुरुवार को उन्होंने कड़ा बयान दिया। सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि रथ की हत्या का कारण यह है कि वह उनके कार्यकारी सहायक थे और उन्होंने भाबनीपुर में ममता बनर्जी को हराया था। उन्होंने इसे एक सुनियोजित हत्या बताते हुए कहा कि दोषियों को सजा मिलनी चाहिए। चंद्रनाथ रथ का पार्थिव शरीर मध्यग्राम के अस्पताल से उनके आवास पर लाया गया, जहां बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। अधिकारी ने कहा कि वे परिवार के साथ खड़े हैं और न्याय दिलाने के लिए पूरी कोशिश करेंगे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार रथ को चार गोलियां मारी गई थीं, जिससे साफ है कि यह हत्या पहले से योजना बनाकर की गई थी। अधिकारी ने बताया कि उन्होंने डीजीपी से बात की है और जांच सही दिशा में आगे बढ़ रही है। पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लिया है और सीआईडी, फॉरेंसिक टीम और एसआईटी मामले की जांच में जुटी हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि जल्द ही हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस बीच अस्पताल में पोस्टमार्टम के दौरान मौजूद पुलिस अधिकारियों ने भी पुष्टि की कि जांच तेज गति से चल रही है। रथ की कार के चालक बुद्धदेव बेरा को भी गोली लगी है और उनकी हालत गंभीर बनी हुई है, जिनकी कई सर्जरी की गई हैं।

आतंकवाद पर दो टूक भारत ने कहा—अब नहीं चलेगा खेल!

विदेश मंत्रालय की साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कई अहम अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भारत का सख्त और स्पष्ट रुख सामने रखा। ब्रीफिंग में आतंकवाद, पाकिस्तान, कनाडा, ब्रिक्स और कैलाश मानसरोवर यात्रा जैसे विषय प्रमुख रहे। भारत ने दोहराया कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आतंकवाद के खिलाफ उसकी नीति पूरी तरह स्पष्ट और अडिग है। प्रवक्ता ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की पहली वर्षगांठ का उल्लेख करते हुए कहा कि दुनिया ने पहलगाम आतंकी हमले की सच्चाई देखी और भारत ने सीमा पार आतंकवाद का करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान लंबे समय से आतंकवाद को राज्य नीति के रूप में इस्तेमाल करता रहा है और भारत अपने बचाव के अधिकार का पूरी मजबूती से प्रयोग करेगा। सिंधु जल संधि पर भारत ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को समर्थन दिए जाने के कारण यह फिलहाल स्थगित है। जब तक पाकिस्तान आतंकवाद का समर्थन पूरी तरह बंद नहीं करता, भारत का रुख नहीं बदलेगा। कनाडा की खुफिया रिपोर्ट में भारत पर लगे आरोपों को विदेश मंत्रालय ने खारिज करते हुए कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है और किसी भी देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करता। साथ ही कनाडा में सक्रिय खालिस्तानी चरमपंथी संगठनों पर चिंता जताई गई, जो हिंसा और भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल हैं। भारत ने कनाडा सरकार से ऐसे तत्वों पर सख्त कार्रवाई की मांग की, जो राजनयिकों को धमकाने, धार्मिक स्थलों पर हमले

और अलगाववादी गतिविधियों को बढ़ावा देने में शामिल हैं। ब्रिक्स को लेकर बताया गया कि इस वर्ष भारत इसकी अध्यक्षता कर रहा है और कई महत्वपूर्ण बैठकों का आयोजन किया जाएगा, जिससे ग्लोबल साउथ की आवाज को मजबूती मिलेगी। नेपाल के बयान पर भारत ने कहा कि कैलाश मानसरोवर यात्रा पारंपरिक रूप से लिपुलेख मार्ग से होती रही है और इसमें कोई नई बात नहीं है। भारत ने सभी मुद्दों पर अपने कूटनीतिक और सुरक्षा रुख को स्पष्ट रूप से दोहराया।

धर्मेंद्र प्रधान का टीएमसी पर तीखा हमला

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस और ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला है। प्रधान ने कहा कि टीएमसी पश्चिम बंगाल में "खून से सनी राजनीतिक संस्कृति" को बढ़ावा दे रही है। एक्स पर किए गए पोस्ट में प्रधान ने इस हत्या को बर्बर और कायरतापूर्ण करार दिया और 'टीएमसी के गुंडों' पर हिंसा और डराने धमकाने के जरिए भाजपा कार्यकर्ताओं व समर्थकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। प्रधान ने कहा कि सुवेंदु अधिकारी जी के सहायक चंद्रनाथ रथ की नृशंस हत्या, ममता बनर्जी और पश्चिम बंगाल में टीएमसी द्वारा शुरू की गई खून से सनी राजनीतिक संस्कृति की एक और भयावह दुर्भाग्यिपूर्ण घटना है। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों को डराने-धमकाने की राजनीति के आगे झुकने से इंकार करने के कारण बार-बार हमलों और हत्याओं का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि यह कोई छिटपुट हिंसा नहीं है, बल्कि विपक्ष को कुचलने के लिए बनाया गया आतंक का एक जानबूझकर तैयार किया गया तंत्र है। केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि ममता बनर्जी और टीएमसी 'धमकी, क्रूरता और राजनीतिक रक्तपात' का सहारा ले रहे हैं। क्योंकि पार्टी राज्य पर अपनी पकड़ खो रही है। उन्होंने कहा कि आज राज्य जो देख रहा है वह सीधे तौर पर लोकतंत्र पर हमला है, जहां असहमति का जवाब हिंसा से दिया जाता है और राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को हत्या के औचित्य के रूप में माना जाता है।

हावड़ा की शिबपुर झुग्गी बस्ती में देसी बम विस्फोट से दहशत

पश्चिम बंगाल के हावड़ा स्थित शिबपुर झुग्गी बस्ती में गुरुवार को देसी बमों के विस्फोट के बाद भारी तनाव फैल गया। अचानक हुए विस्फोटों से इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, धमाकों की तीव्रता इतनी अधिक थी कि ईंटें हवा में उड़ती दिखाई दीं और कई लोग इसकी चपेट में आकर घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस की भारी टीम मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई बल (RPF) के जवानों की मदद से स्थिति को नियंत्रण में लिया गया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी के अल्पसंख्यक मोर्चा के नेता मनोज खान को भी इस हमले का निशाना बनाया गया। घटना के दौरान कुछ उपद्रवियों द्वारा आसपास की दुकानों में तोड़फोड़ करने की कोशिश भी की गई, जिससे स्थिति और अधिक तनावपूर्ण हो गई।स्थानीय लोगों का कहना है कि घटना के दौरान लगभग सात देसी बमों के धमाके हुए और दो बार गोली चलने की आवाज भी सुनी गई। इस हिंसा में कई लोग घायल हुए हैं, जिससे इलाके में भय और दहशत का माहौल बना हुआ है। इस घटना के बाद राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप भी तेज हो गए हैं। भारतीय जनता पार्टी ने तृणमूल कांग्रेस पर हमले की साजिश रचने का आरोप लगाया है, जबकि टीएमसी की ओर से इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। बताया जा रहा है कि यह घटना पश्चिम बंगाल में हाल ही में घोषित

विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद बढ़ते राजनीतिक तनाव के बीच हुई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है ताकि किसी भी तरह की और हिंसा को रोका जा सके।

हिन्दी जगत महामंच
www.tvbharatvarsh.in
भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई–पेपर
प्रदेश का नं. 1 प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई–पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वार्टर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2 - 3)	फुल पेज (कवर 4 - अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

परमाणु वार्ता के लिए नई रूपरेखा तय करने की कोशिश

ईरान से 48 घंटे में जवाब की उम्मीद

अमेरिका और ईरान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अस्थायी समझौते की खबर है। नाकाबंदी हटाकर मार्ग खोलने और जहाजों को छोड़ने पर सहमति बनी है। ईरान परमाणु कार्यक्रम रोक सकता है, जबकि अमेरिका प्रतिबंध हटा सकता है। हालांकि अभी कोई अंतिम समझौता नहीं हुआ है और स्थिति अनिश्चित है।

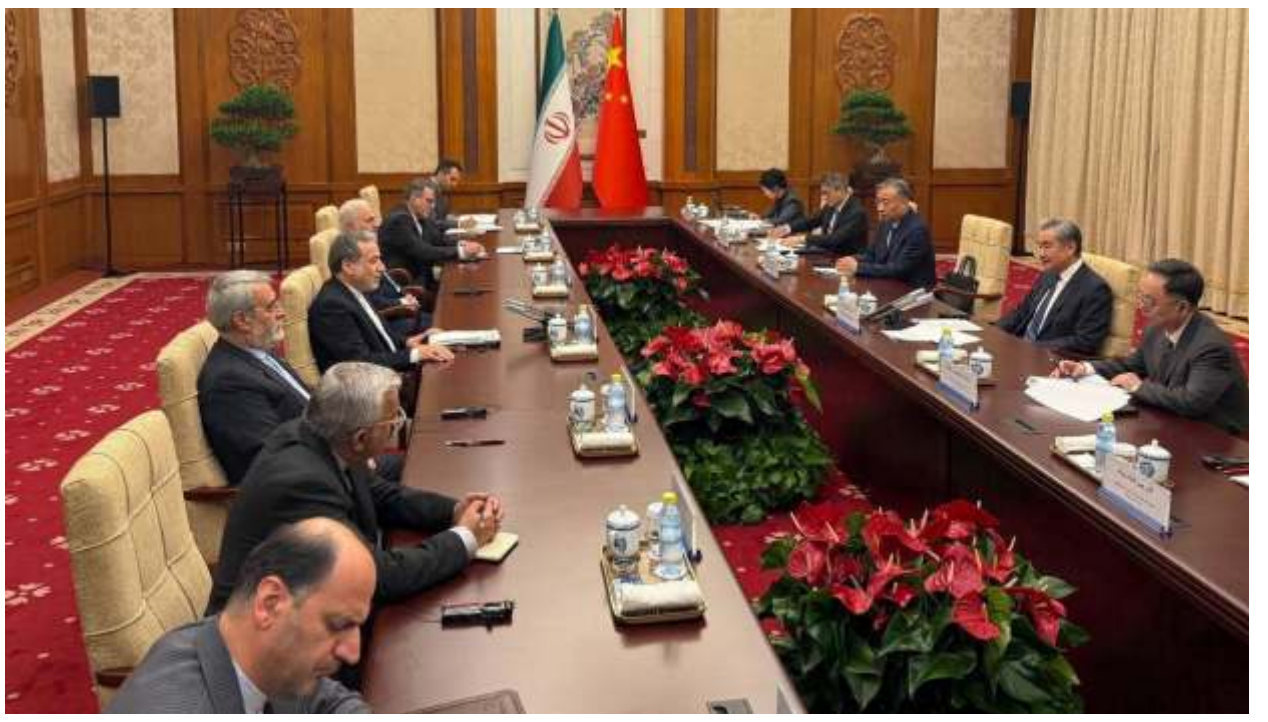

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनावपूर्ण हालात के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक समझौते की खबर सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार दोनों देशों ने इस रणनीतिक समुद्री मार्ग को लेकर एक अस्थायी सहमति बनाने पर सहमति जताई है, जिसके तहत अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी को धीरे-धीरे हटाया जाएगा और बदले में जलडमरूमध्य को चरणबद्ध तरीके से फिर से खोला जाएगा। अल अरबिया की रिपोर्ट के अनुसार, यह समझौता गुरुवार को दोनों पक्षों के बीच बनी सहमति का परिणाम है। सूत्रों का कहना है कि समझौते के तहत आने वाले घंटों में होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसे जहाजों को धीरे-धीरे मुक्त किया जाएगा, जिससे वैश्विक समुद्री व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ा दबाव कम हो सकता है। यह क्षेत्र दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल परिवहन मार्गों में से एक माना जाता है, और यहां किसी भी तरह की बाधा का सीधा असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर पड़ता है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि अमेरिका और ईरान के बीच जारी सैन्य तनाव के बीच यह पहली बार है जब दोनों पक्ष किसी व्यापक समझौते के इतने करीब पहुंचे हैं। इससे पहले ईरान द्वारा जलडमरूमध्य को अवरुद्ध किए जाने के बाद अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा आपूर्ति में गंभीर बाधाएं उत्पन्न हुई थीं, जिससे वैश्विक बाजारों में अस्थिरता बढ़ गई थी। अमेरिकी मीडिया संस्थान एक्सियस की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी अधिकारियों और अन्य सूत्रों के अनुसार दोनों देश एक ऐसे प्रारंभिक समझौते को अंतिम रूप देने के करीब हैं, जिसमें एक पृष्ठ का सहमति पत्र शामिल होगा। इस समझौते का उद्देश्य आगे विस्तृत परमाणु वार्ताओं के लिए एक रूपरेखा तैयार करना बताया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार अमेरिका को उम्मीद है कि ईरान अगले 48 घंटों के भीतर इस प्रस्ताव पर अपनी प्रतिक्रिया देगा, हालांकि अभी तक किसी भी पक्ष ने आधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि नहीं की है। ट्रंप के अनुसार, यदि समझौता होता है तो न केवल सैन्य अभियान रोका जाएगा बल्कि होर्मुज जलडमरूमध्य सभी देशों के लिए पुनः खोल दिया जाएगा। रिपोर्टों के मुताबिक प्रस्तावित समझौते में यह भी शामिल है कि ईरान अस्थायी रूप से अपने परमाणु संवर्धन कार्यक्रम को रोकने पर सहमत हो सकता है। इसके बदले में अमेरिका उस पर लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों को हटाने और ईरान के फ्रीज किए गए अरबों डॉलर की संपत्तियों के उपयोग की अनुमति देने पर विचार कर सकता है। हालांकि इन सभी रिपोर्टों के बावजूद यह स्पष्ट किया गया है कि अभी तक कोई अंतिम समझौता नहीं हुआ है और स्थिति पूरी तरह अनिश्चित बनी हुई है। दोनों देशों के बीच चल रही बातचीत को अंतरराष्ट्रीय समुदाय बेहद करीब से देख रहा है, क्योंकि इसका असर न केवल मध्य पूर्व बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है।

भारत-नेपाल सीमा पर बढ़ी सख्ती से लोगों की मुश्किलें बढ़ीं

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

भारत-नेपाल सीमा पर हाल के दिनों में तनाव बढ़ता दिखाई दे रहा है। वर्षों से दोनों देशों के बीच बेटी-रोटी का रिश्ता रहा है, लेकिन नेपाल सरकार के कुछ नए फैसलों ने सीमा से जुड़े इलाकों में रहने वाले लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। ताजा मामला भारतीय वाहनों पर लागू की गई सख्ती का है। नेपाल सरकार ने भारतीय नंबर की गाड़ियों के लिए नियम कड़े कर दिए हैं। अब कोई भी भारतीय वाहन नेपाल में एक कैलेंडर वर्ष के दौरान कुल 30 दिन ही रह सकेगा। यह अवधि लगातार या अलग-अलग हिस्सों में हो सकती है, लेकिन 30 दिन से अधिक रुकने पर जुर्माना लगाया जाएगा। भारत के भारतीय दूतावास काठमांडू की हालिया सूचना के अनुसार, भारतीय पंजीकृत वाहन नेपाल में एक साल में कुल 30 दिन ही रह सकते हैं। इसके साथ ही नेपाल में प्रवेश करने से पहले भारतीय वाहनों के लिए भंसार यानी कस्टम परमिट लेना भी अनिवार्य कर दिया गया है। दोपहिया वाहनों के लिए प्रतिदिन 100 नेपाली रुपये, तीन पहिया के लिए 400 नेपाली रुपये और चार पहिया वाहनों के लिए 600 नेपाली रुपये शुल्क तय किया गया है। नेपाल सरकार का कहना है कि यह नया नियम नहीं है, बल्कि पुराने कानूनों को सख्ती से लागू किया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, बिना अनुमति वाहनों की बढ़ती आवाजाही से टैक्स चोरी और सुरक्षा संबंधी चुनौतियां बढ़ रही थीं। हालांकि सीमा से जुड़े इलाकों में इसका असर सबसे ज्यादा आम लोगों पर पड़ रहा है। इन क्षेत्रों के लोग रोजमर्रा की जरूरतों, छोटे व्यापार, रिश्तेदारी, शादी-ब्याह और सामाजिक कार्यक्रमों के लिए वर्षों से आसानी से दोनों देशों के बीच आवाजाही करते रहे हैं। अब नई व्यवस्था के कारण यह सब कठिन हो गया है।

तो लाम की भारत यात्रा से द्विपक्षीय रिश्तों को नई मजबूती

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

तो लाम की भारत यात्रा के दौरान भारत और वियतनाम के बीच द्विपक्षीय संबंधों को नई मजबूती मिली। इस राजकीय यात्रा के दौरान कुल 18 महत्वपूर्ण निष्कर्ष सामने आए, जिनमें 13 समझौता ज्ञापन (एमओयू) और पांच प्रमुख घोषणाएं शामिल हैं। सबसे अहम घोषणा दोनों देशों के संबंधों को उन्नत व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जाने की रही। विदेश मंत्रालय के अनुसार, कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। आईआरईएल लिमिटेड और वियतनाम के रेडियोधर्मी एवं दुर्लभ तत्व प्रौद्योगिकी संस्थान के बीच दुर्लभ पृथ्वी तत्वों और नई तकनीकों में सहयोग पर समझौता हुआ। इससे भविष्य की तकनीकी जरूरतों और रणनीतिक संसाधनों में सहयोग बढ़ेगा। संस्कृति क्षेत्र में भारत के संस्कृति मंत्रालय और वियतनाम के संस्कृति, खेल एवं पर्यटन मंत्रालय के बीच 2026 से 2030 तक सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम पर सहमति बनी। इसके अलावा डिजिटल क्षेत्र में भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और वियतनाम के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के बीच समझौता हुआ, जिससे डिजिटल तकनीक और आईटी सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। वित्तीय क्षेत्र में भारतीय रिजर्व बैंक और वियतनाम के स्टेट बैंक के बीच डिजिटल भुगतान और भुगतान प्रणाली में नवाचार को लेकर समझौता हुआ। साथ ही भारत की एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड और वियतनाम की एनएपीएस के बीच सीमा-पार क्यूआर कोड भुगतान सुविधा विकसित करने पर सहमति बनी। इसके अलावा शिक्षा, पर्यटन, शहरी प्रबंधन और लेखा परीक्षा जैसे क्षेत्रों में भी कई अहम समझौते हुए। नालंदा विश्वविद्यालय और हनोई की हो ची मिन्ह नेशनल एकेडमी ऑफ पॉलिटिक्स के बीच सहयोग पर हस्ताक्षर किए गए। इन समझौतों से स्पष्ट है कि भारत और वियतनाम अब व्यापार, तकनीक, संस्कृति और रणनीतिक सहयोग के नए दौर में प्रवेश कर रहे हैं।

इजराइल ने युद्धविराम के बाद पहली बार बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर हमला किया

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

इजराइल और हिजबुल्ला के बीच 17 अप्रैल को हुए युद्धविराम के बाद बुधवार को पहली बार बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर बड़ा हमला हुआ। इजराइली सेना ने दावा किया कि इस हमले में हिजबुल्ला की रादवान फोर्स के कमांडर मालेक बालू को निशाना बनाया गया और उसे मार गिराया गया। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने भी इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि कार्रवाई उनके और रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज़ के सीधे निर्देश पर की गई। लेबनान की नेशनल न्यूज़ एजेंसी के अनुसार, इजराइली लड़ाकू विमानों ने बेरूत के दक्षिणी इलाके घोबेरी पर बमबारी की। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि धमाका इतना तेज था कि उसकी आवाज पूरी राजधानी में सुनी गई। हमले के बाद इलाके से भारी धुएं का गुबार उठता देखा गया। हिजबुल्ला ने इस हमले पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।यह हमला रणनीतिक और राजनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील माना जा रहा है। युद्धविराम के बाद बेरूत पर यह पहला बड़ा हमला है। विश्लेषकों का मानना था कि दोनों पक्षों के बीच राजधानी को निशाना न बनाने का एक अलिखित समझौता था, लेकिन इजराइल ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देकर इसे तोड़ दिया। युद्धविराम के बाद बड़ी संख्या में लेबनानी नागरिक दक्षिणी इलाकों में लौट आए थे। हमले के समय सड़कें लोगों से भरी थीं, जिससे नागरिक हताहतों का खतरा बढ़ गया। इसी बीच इजराइल ने दक्षिण और पूर्वी लेबनान में भी हमले जारी रखे, जिनमें कम से कम 13 लोगों के मारे जाने की खबर है। लेबनान में 2 मार्च से अब तक इजराइली हमलों में 2,700 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। वहीं इजराइली सेना के अनुसार इस संघर्ष में उसके 17 सैनिक और एक नागरिक ठेकेदार की भी मौत हुई है।

बीजिंग वार्ता से पहले बदले डोनाल्ड ट्रंप के तेवर

शी जिनपिंग की खुलकर प्रशंसा

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

बाकेई ने कहा कि जिस देश ने दो परमाणु हथियार संपन्न देशों के खिलाफ अपनी संप्रभुता और सम्मान की रक्षा का संकल्प दिखाया हो, उसे महाशक्ति माना जाना चाहिए। उनके अनुसार, हालिया संघर्ष ने यह साबित कर दिया कि ईरान अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और हितों की रक्षा के लिए किसी भी स्तर तक जाने को तैयार है। भारत और ईरान के संबंधों पर बोलते हुए बाकेई ने कहा कि दोनों देशों के रिश्ते लगातार मजबूत हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत और ईरान के संबंध ऐतिहासिक हैं और दोनों देशों को गुटनिरपेक्ष आंदोलन की साझा विरासत जोड़ती है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में दोनों देशों के बीच रणनीतिक और आर्थिक सहयोग और गहरा होगा। होर्मुज जलडमरूमध्य में भारतीय जहाजों से शुल्क वसूले जाने की अटकलों पर भी बाकेई ने स्पष्ट जवाब दिया। उन्होंने कहा कि ईरान किसी भी देश से कोई शुल्क नहीं लेता। उनके अनुसार, होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान केवल एक तटीय देश के तौर पर अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत ऐसे कदम उठा रहा है, जिनसे वह अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और हितों की रक्षा कर सके। बाकेई ने यह भी बताया कि ईरान फिलहाल अमेरिका के नए प्रस्ताव का अध्ययन कर रहा है। उन्होंने कहा कि दस्तावेज की समीक्षा जारी है और मूल्यांकन पूरा होने के बाद पाकिस्तानी मध्यस्थों के जरिए जवाब दिया जाएगा। हालांकि उन्होंने अमेरिका पर भरोसा करना कठिन बताया और आरोप लगाया कि जब ईरान कूटनीतिक प्रक्रिया में शामिल था, उसी दौरान उस पर हमला किया गया।

संपादक की कलम से

लोकतंत्र केवल मतदान तक सीमित व्यवस्था नहीं है। इसकी असली ताकत जनता के उस भरोसे में छिपी होती है कि उसका मत स्वतंत्र, निष्पक्ष और प्रभावी है। जब चुनावों की पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं, तब मामला केवल किसी दल की जीत या हार का नहीं रहता, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता भी बहस के केंद्र में आ जाती है। हाल के दिनों में चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठे आरोपों ने इसी चिंता को फिर सामने ला दिया है। यह कहा जा रहा है कि कई बार केवल कुछ सीटों का परिणाम ही नहीं, बल्कि पूरी सत्ता का स्वरूप भी चुनावी प्रक्रियाओं से प्रभावित हो सकता है। मतदाता सूचियों में गड़बड़ी, मतदान के दौरान कथित अनियमितताएं और संस्थागत निष्पक्षता पर उठते सवाल लोकतंत्र के लिए चिंताजनक संकेत हैं। यदि जनता को यह महसूस होने लगे कि उसका मत पूरी ईमानदारी से दर्ज नहीं हो रहा, तो लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव कमजोर पड़ने लगती है। भारतीय लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक प्रयोग माना जाता है। करोड़ों मतदाता हर चुनाव में उत्साह से भाग लेते हैं और इसी भागीदारी से लोकतंत्र को शक्ति मिलती है। लेकिन यही शक्ति तब कमज़ोर होने लगती है जब चुनावी प्रक्रिया को लेकर संदेह पैदा होता है। संदेह चाहे वास्तविक हो या केवल राजनीतिक विवाद का हिस्सा, उसका असर आम नागरिक के मन पर पड़ता है। मतदाता के मन में यदि यह सवाल पैदा हो जाए कि उसका मत सही अर्थों में गिना भी जाएगा या नहीं, तो यह स्थिति किसी भी लोकतंत्र के लिए गंभीर मानी जाएगी।यह भी सच है कि चुनावी हार के बाद आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति कोई नई बात नहीं है। लंबे समय से यह प्रवृत्ति देखी जाती रही है कि जब परिणाम उम्मीद के अनुरूप नहीं आते, तो चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठने लगते हैं। लेकिन लोकतंत्र में केवल आरोप पर्याप्त नहीं होते। यदि किसी को चुनावी अनियमितताओं पर संदेह है, तो उसके समर्थन में प्रमाण और तथ्य भी सामने आने चाहिए। बिना ठोस आधार के लगाए गए आरोप केवल राजनीतिक वातावरण को और अधिक अविश्वास से भरते हैं। दूसरी ओर, चुनाव कराने वाली संस्थाओं की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। केवल निष्पक्ष होना पर्याप्त नहीं, बल्कि जनता के सामने निष्पक्ष दिखाई देना भी उतना ही आवश्यक है। मतदाता सूची, मतदान प्रक्रिया, मतगणना और परिणामों की घोषणा तक हर स्तर पर अधिक पारदर्शिता समय की मांग है। यदि कहीं भी शंका की गुंजाइश रह जाती है, तो उसे दूर करने के लिए संस्थाओं को तत्परता से सामने आना चाहिए। लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूंजी जनता का विश्वास है। यह विश्वास टूटने लगे तो चुनाव केवल औपचारिकता बनकर रह जाते हैं। इसलिए आवश्यक है कि राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता को सुरक्षित रखा जाए। लोकतंत्र तभी मजबूत रहेगा जब आम नागरिक को यह भरोसा होगा कि उसका मत किसी भी परिस्थिति में उसकी आवाज़ बनकर सामने आएगा। यही भरोसा लोकतंत्र की असली नींव है और इसकी रक्षा करना हम सबकी साझा जिम्मेदारी है।

बिहार में सम्राट चौधरी सरकार का बड़ा मंत्रिमंडल विस्तार

निशांत कुमार की एंट्री से बिहार राजनीति में नया संदेश

बिहार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में मंत्रिमंडल विस्तार हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में 26 विधायकों ने शपथ ली। निशांत कुमार की एंट्री चर्चा में रही। इस विस्तार को भाजपा के बढ़ते प्रभाव और नए सत्ता संतुलन के रूप में देखा जा रहा है।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

बिहार की राजनीति में गुरुवार को बड़ा घटनाक्रम देखने को मिला, जब राज्य में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली सरकार का मंत्रिमंडल विस्तार किया गया। यह विस्तार कई मायनों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इसमें सत्ता संतुलन के साथ-साथ राजनीतिक संदेश भी साफ दिखाई दिया। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तथा कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। मंत्रिमंडल विस्तार की सबसे चर्चित बात यह रही कि नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने भी मंत्री पद की शपथ ली। इसे बिहार की राजनीति में एक अहम संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। सबसे पहले जिन नेताओं ने मंत्री पद की शपथ ली, उनमें श्रवण कुमार, विजय कुमार सिन्हा, दिलीप कुमार जायसवाल, निशांत कुमार और लेशी सिंह शामिल रहे। इसके बाद दूसरे चरण में राम कृपाल यादव, नीतीश मिश्रा, दामोदर रावत, संजय सिंह 'टाइगर' और अशोक चौधरी ने मंत्री पद की शपथ ग्रहण की।तीसरे चरण में भगवान सिंह कुशवाहा, अरुण शंकर प्रसाद, मदन सहनी, डॉ. संतोष कुमार सुमन और रमा निषाद को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया। इसके बाद रत्नेश सादा, कुमार शैलेन्द्र, शीला कुमारी, केदार प्रसाद गुप्ता और लखेन्द्र कुमार रौशन ने मंत्री पद की शपथ ली। अंतिम चरण में सुनील कुमार, श्रेयसी सिंह, मोहम्मद जमा खान, नंद किशोर राम, शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल और प्रमोद कुमार ने मंत्री पद की जिम्मेदारी संभाली। इस मंत्रिमंडल विस्तार के जरिए भाजपा ने बिहार में अपनी राजनीतिक पकड़ को और मजबूत करने का संकेत दिया है। पिछले महीने जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद भाजपा के नेतृत्व में नई सरकार बनी। सम्राट चौधरी को राज्य की कमान सौंपे जाने के बाद यह पहला बड़ा मंत्रिमंडलीय विस्तार है।नीतीश कुमार, जो बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे हैं, उन्होंने राज्यसभा जाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री पद छोड़ा था। उनके इस्तीफे के बाद राज्य की राजनीति में सत्ता संतुलन बदलता नजर आया। फिलहाल सरकार में जदयू के वरिष्ठ नेता विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव को उपमुख्यमंत्री बनाया गया है। इससे पहले नीतीश कुमार सरकार में सम्राट चौधरी और भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय कुमार सिन्हा उपमुख्यमंत्री हुआ करते थे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह विस्तार केवल मंत्रियों की संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि आने वाले चुनावों को ध्यान में रखते हुए सामाजिक और क्षेत्रीय समीकरणों को साधने की कोशिश भी है। बिहार विधानसभा में कुल 243 सदस्य हैं। संविधान के अनुसार, राज्य मंत्रिपरिषद में विधानसभा की कुल सदस्य संख्या के 15 प्रतिशत से अधिक मंत्री नहीं हो सकते। इसी आधार पर बिहार में अधिकतम 36 मंत्री बनाए जा सकते हैं।इस मंत्रिमंडल विस्तार ने साफ कर दिया है कि बिहार की राजनीति अब नए नेतृत्व, नई रणनीति और नए शक्ति संतुलन की दिशा में बढ़ रही है। आने वाले समय में इसका असर राज्य की राजनीतिक तस्वीर पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे सकता है।

10 मई को भाजपा विधायक दल और एनडीए की अहम बैठक

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

असम में नई सरकार के गठन को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी दौरे को देखते हुए राज्य प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में असम के मुख्य सचिव रवि कोटा ने पुलिस महानिदेशक के साथ एक विस्तृत समीक्षा बैठक कर सुरक्षा और आयोजन संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। प्रधानमंत्री मोदी 12 मई को गुवाहाटी में नव निर्वाचित मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम खानापारा पशु चिकित्सा महाविद्यालय मैदान में आयोजित किया जाएगा। राज्य सरकार के अनुसार इस समारोह में कई राज्यों के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधि भी शामिल होंगे।समीक्षा बैठक में सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, आयोजन स्थल की तैयारियां, प्रोटोकॉल और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय जैसे अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि समारोह की गरिमा के अनुरूप उच्चतम स्तर की तैयारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि

कार्यक्रम का सुचारु, सुरक्षित और व्यवस्थित संचालन सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस बीच, भाजपा के भीतर भी नई सरकार के गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है। भाजपा नेता दिलीप सैकिया ने बताया कि केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और नायब सिंह सैनी 9 मई को गुवाहाटी पहुंचेंगे। वे भाजपा विधायक दल के नेता के चुनाव की निगरानी करेंगे। 10 मई को भाजपा विधायक दल की बैठक होगी, जिसके बाद एनडीए की बैठक आयोजित की जाएगी। इससे पहले कार्यवाहक मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने इस्तीफा दे दिया था। उनके इस्तीफे के बाद नए मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल के गठन का रास्ता साफ हो गया है। अब सबकी नजर इस बात पर टिकी है कि असम का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा और नई सरकार का स्वरूप कैसा रहेगा।

देवेंद्र फडणवीस बोले

नासिक बनेगा विकास का नया केंद्र

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

नासिक में होने वाले भव्य सिंहस्थ कुंभ मेला को लेकर महाराष्ट्र सरकार ने बड़े स्तर पर विकास परियोजनाओं की शुरुआत की है। राज्य सरकार ने इस आयोजन के लिए करीब 33,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं शुरू की हैं। यह मेला 31 अक्टूबर 2026 से 24 जुलाई 2028 तक आयोजित किया जाएगा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि सिंहस्थ कुंभ मेले के अनुरूप धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व रखने वाला नासिक आने वाले वर्षों में विकास का प्रमुख केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि यहां औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी और निवेश के माध्यम से बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। फडणवीस बुधवार को कुंभ उद्योग संगम और नासिक निवेश शिखर सम्मेलन 2026 के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि नासिक में विकास की अपार संभावनाएं हैं और निवेश आकर्षित करने के लिए यह सम्मेलन एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा। अधिकारियों के अनुसार, सम्मेलन के दौरान 300 से अधिक उद्योगपतियों के साथ 13,190 करोड़ रुपये के

समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इन निवेश प्रस्तावों से लगभग 32,000 रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार पिछले तीन वर्षों से जिला-केंद्रित निवेश सम्मेलन आयोजित कर रही है। इसी क्रम में अब तक नासिक जिले में कुल 31,945 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया जा चुका है, जिससे लगभग 66,000 लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। गौरतलब है कि सिंहस्थ कुंभ मेला 31 अक्टूबर 2026 को त्र्यंबकेश्वर, रामकुंड और पंचवटी में ध्वजारोहण के साथ शुरू होगा। यह आयोजन 24 जुलाई 2028 तक चलेगा। सरकार को उम्मीद है कि यह मेला न केवल धार्मिक

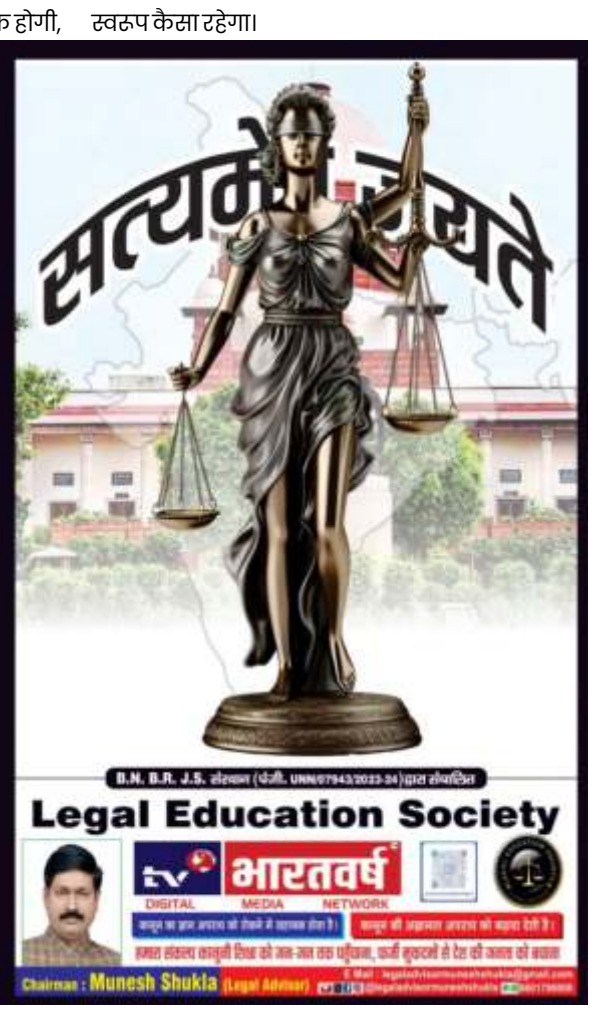

आरबीआई के नए नियमों ने बढ़ाया टाटा संस पर दबाव

देश के सबसे बड़े कारोबारी समूहों में शामिल टाटा संस इन दिनों एक अहम रणनीतिक फैसले को लेकर चर्चा में है। मामला कंपनी को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने का है, जिस पर समूह के शीर्ष प्रबंधन के भीतर मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं। यह मुद्दा इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि इसका असर केवल टाटा समूह की कारोबारी संरचना तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि भारतीय कॉरपोरेट जगत पर भी इसका व्यापक प्रभाव पड़ सकता है।जानकारी के अनुसार, टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा फिलहाल टाटा संस की लिस्टिंग के पक्ष में नहीं हैं। उनका मानना है कि कंपनी को निजी स्वरूप में ही बनाए रखना चाहिए, ताकि समूह की कंपनियों पर टाटा ट्रस्ट्स का नियंत्रण पहले की तरह मजबूत बना रहे। टाटा ट्रस्ट्स के पास टाटा संस की लगभग दो-तिहाई हिस्सेदारी है, इसलिए इस मुद्दे पर ट्रस्ट का रुख बेहद अहम माना जा रहा है।वहीं दूसरी ओर, टाटा ट्रस्ट्स के ट्रस्टी वेणु श्रीनिवासन और विजय सिंह कंपनी की लिस्टिंग के समर्थक बताए जा रहे हैं। उनका कहना है कि यदि टाटा संस शेयर बाजार में सूचीबद्ध होती है, तो इससे कंपनी में पारदर्शिता बढ़ेगी और कॉरपोरेट गवर्नेंस को मजबूती मिलेगी। सूत्रों के अनुसार, 8 मई को होने वाली टाटा ट्रस्ट्स की अहम बैठक में दोनों ट्रस्टी लिस्टिंग की तैयारी शुरू करने का प्रस्ताव रख सकते हैं। इस पूरे विवाद की सबसे बड़ी वजह भारतीय रिजर्व बैंक के नए नियम हैं। आरबीआई के अनुसार, 1 जुलाई 2026 से जिन गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों की परिसंपत्तियां 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक होंगी, उन्हें "सिस्टमैटिकली इम्पोर्टेन्ट" श्रेणी में रखा जाएगा। ऐसे संस्थानों के लिए शेयर बाजार में सूचीबद्ध होना अनिवार्य होगा। टाटा संस इस दायरे में आती है। यह पहली बार नहीं है जब टाटा संस पर लिस्टिंग का दबाव बना हो। वर्ष 2022 में भी कंपनी को 'अपर-लेयर' एनबीएफसी श्रेणी में रखा गया था, लेकिन उस समय कर्ज पुनर्गठन और अन्य उपायों के जरिए लिस्टिंग टाल दी गई थी। हालांकि अब ऐसे विकल्प सीमित हो चुके हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नोएल टाटा ने टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन से यह आश्वासन चाहा था कि कंपनी को सूचीबद्ध नहीं किया जाएगा। हालांकि एन. चंद्रशेखरन ने ऐसा कोई वादा करने से इनकार कर दिया और इसे पूरी तरह नियामकीय मामला बताया। अब सबकी नजर आने वाले दिनों पर टिकी है। यदि 8 मई की बैठक में लिस्टिंग के पक्ष में माहौल बनता है, तो भारत के कॉरपोरेट इतिहास का सबसे बड़ा आईपीओ देखने को मिल सकता है।

डी गुकेश ने सिंदारोव को हराकर दिखाए आक्रामक तेवर

मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश ने ग्रैंड शतरंज टूर के सुपर रैपिड और ब्लिट्ज़ वर्ग के पांचवें दौर में शानदार जीत दर्ज करते हुए अपने इरादे साफ कर दिए। उन्होंने उज़्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव को हराकर यह संकेत दिया कि विश्व खिताब की अगली चुनौती के लिए वह पूरी तरह तैयार हैं। यह मुकाबला खास इसलिए भी माना जा रहा है क्योंकि सिंदारोव इस साल के आखिर में विश्व चैंपियनशिप मुकाबले में गुकेश के चैलेंजर होंगे। मुख्य क्लासिकल टूर्नामेंट से नाम वापस लेने के बाद गुकेश की यह जीत काफी अहम मानी जा रही है। उन्होंने अपने फॉर्म को बेहतर बनाए रखने और आगामी विश्व चैंपियनशिप की तैयारी पर पूरा ध्यान केंद्रित करने के लिए मुख्य स्पर्धा में हिस्सा नहीं लिया था। सुपर रैपिड मुकाबले में गुकेश ने शुरुआत से ही आक्रामक रणनीति अपनाई और चाल दर चाल सिंदारोव पर दबाव बनाए रखा। दोनों खिलाड़ियों के बीच मुकाबला काफी रोमांचक रहा, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने धैर्य और सटीक रणनीति के दम पर 52 चालों के बाद जीत अपने नाम कर ली। यह मुकाबला इसलिए भी दिलचस्प था क्योंकि दोनों खिलाड़ी इस दौर से पहले अपने-अपने पिछले मुकाबले हार चुके थे। गुकेश को पोलैंड के राडोस्लाव वोज्ताशेक के हाथों हार झेलनी पड़ी थी, जबकि सिंदारोव को अमेरिका के वेसली सो ने मात दी थी। ऐसे में दोनों के लिए यह मैच वापसी का अवसर था, जिसमें गुकेश बाजी मारने में सफल रहे। टूर्नामेंट की बात करें तो अमेरिका के वेसली सो पांच मुकाबलों में आठ अंक लेकर फिलहाल शीर्ष पर बने हुए हैं।

क्रुणाल पांड्या का बड़ा बयान

आईपीएल अब बल्लेबाजों का खेल

अंबाती रायडू को मिली हैदराबाद क्रिकेट में बड़ी जिम्मेदारी

पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंबाती रायडू को हैदराबाद क्रिकेट में एक अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें हैदराबाद क्रिकेट संघ में क्रिकेट संचालन निदेशक नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति तीन वर्षों के लिए की गई है और उन्होंने तत्काल प्रभाव से अपना कार्यभार भी संभाल लिया है। रायडू की नियुक्ति को हैदराबाद और तेलंगाना के क्रिकेट ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। हैदराबाद क्रिकेट संघ का मानना है कि अंबाती रायडू का अनुभव संगठन के लिए काफी उपयोगी साबित होगा। उनके सामने मुख्य जिम्मेदारी क्रिकेट संचालन को बेहतर बनाना, व्यवस्थागत सुधार लाना और क्षेत्रीय स्तर पर उभरती प्रतिभाओं को आगे बढ़ाना होगी। रायडू ने अपनी नई भूमिका को लेकर खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए एक बड़ा अवसर है और वह चाहते हैं कि हैदराबाद तथा तेलंगाना से अधिक से अधिक युवा खिलाड़ी भविष्य में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करें। रायडू की यह नियुक्ति इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि वर्ष 2019 में उन्होंने इसी संघ पर भ्रष्टाचार और चयन प्रक्रिया में राजनीति के गंभीर आरोप लगाए थे। उस समय यह मामला काफी सुर्खियों में रहा था। विवाद के बाद उन्होंने हैदराबाद टीम छोड़ दी थी। ऐसे में अब उसी संघ में एक बड़ी प्रशासनिक भूमिका मिलना काफी अहम माना जा रहा है। घरेलू क्रिकेट में अंबाती रायडू का लंबा अनुभव रहा है। उन्होंने हैदराबाद के अलावा आंध्र और बड़ौदा जैसी टीमों के लिए भी खेला है। हालांकि उनकी पहचान मुख्य रूप से हैदराबाद क्रिकेट से ही जुड़ी रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रायडू ने भारत के लिए 55 एकदिवसीय और 6 टी20 मुकाबले खेले हैं। इसके अलावा उन्होंने 97 प्रथम श्रेणी मैचों में भी अपनी छाप छोड़ी है।

दिल्ली में सजेगा राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस का महासंग्राम

दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैंपियनशिप का आयोजन 27 जुलाई से 2 अगस्त तक किया जाएगा। इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में 35 से अधिक देशों के खिलाड़ियों के भाग लेने की उम्मीद है। इसकी घोषणा बुधवार को दिल्ली सचिवालय में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने की। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार इस बड़े खेल आयोजन के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि सरकार खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा, बेहतरीन व्यवस्थाएं और खेल के अनुकूल माहौल उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उनके अनुसार यह प्रतियोगिता राजधानी के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मेजबानी क्षमता दिखाने का बड़ा अवसर होगी। यह चैंपियनशिप दिल्ली सरकार और भारतीय टेबल टेनिस महासंघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार सात दिनों तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में राष्ट्रमंडल देशों के कई शीर्ष खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता में इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूज़ीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, मलेशिया, सिंगापुर, स्कॉटलैंड, वेल्स, नाइजीरिया, केन्या, जमैका तथा त्रिनिदाद और टोबैगो सहित कई देशों के खिलाड़ी अपनी चुनौती पेश करेंगे। इन देशों के खिलाड़ियों की भागीदारी से मुकाबले बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि यह चैंपियनशिप भारतीय टेबल टेनिस के लिए भी बेहद अहम साबित होगी।

रिकी पोंटिंग बोले—कैच छोड़ना पड़ रहा भारी

सनराइजर्स हैदराबाद ने पंजाब किंग्स को 33 रन से हराकर आईपीएल 2026 की अंकतालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। हैदराबाद की इस शानदार जीत में बल्लेबाजों का दमदार प्रदर्शन देखने को मिला, लेकिन मुकाबले की सबसे बड़ी चर्चा पंजाब की खराब फील्डिंग रही, जिसने मैच का रुख बदल दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद ने 4 विकेट पर 235 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। इस दौरान हेनरिक क्लासेन और ईशान किशन ने बेहतरीन पारियां खेलीं। हेनरिक क्लासेन ने 43 गेंदों में 69 रन बनाए, जबकि ईशान किशन ने 32 गेंदों पर 55 रन की तेजतर्रार पारी खेली। दोनों बल्लेबाजों को पंजाब की खराब फील्डिंग का भरपूर फायदा मिला। पंजाब के खिलाड़ियों ने तीन आसान कैच टपकाए, जबकि ईशान किशन को एक आसान स्टंपिंग मौके पर भी जीवनदान मिला। हैदराबाद की पारी की मजबूत शुरुआत अभिषेक शर्मा और ट्रैविस हेड ने की। अभिषेक शर्मा ने सिर्फ 13 गेंदों में 35 रन ठोककर टीम को तेज शुरुआत दिलाई। बाद में नीतीश कुमार रेड्डी ने 29 रन की नाबाद पारी खेलकर स्कोर को और मजबूती दी। हैदराबाद की पारी में कुल 17 छक्के लगे। पंजाब के अनुभवी स्पिनर युजवेंद्र चहल को अपने साथियों की लापरवाही का खामियाजा भुगतना पड़ा। शशांक सिंह और लॉकी फर्ग्यूसन ने उनकी गेंदों पर आसान कैच छोड़ दिए, जिससे वह काफी निराश नजर आए। मैच के दौरान पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने कहा कि उनकी टीम इस सीजन में लगातार कैच छोड़ रही है और वह इसके लिए कोई बहाना नहीं बनाएंगे। पंजाब के प्रमुख गेंदबाज मार्को यानसन और अर्शदीप सिंह भी असरदार नहीं दिखे। दोनों ने मिलकर 104 रन खर्च कर दिए। पंजाब की खराब फील्डिंग और महंगे गेंदबाजी प्रदर्शन का पूरा फायदा उठाते हुए सनराइजर्स हैदराबाद ने मुकाबले पर पूरी तरह कब्जा जमाया और महत्वपूर्ण जीत दर्ज की।

अमेज़न कर्मचारी ने बताईं वो बातें, जो करियर को पहुंचा सकती हैं नुकसान

ऑफिस में 'ओवरशेयरिंग' पड़ेगी भारी

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें बताया गया है कि कुछ बातों को शेयर करने से बचकर काफी हद तक ऑफिस पॉलिटिक्स के जाल से दूर रहा जा सकता है.

हैदराबाद की एक महिला कर्मचारी का वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह बताती हैं कि ऑफिस में किन बातों को शेयर करने से बचना चाहिए.

Amazon में काम करने वाली दीपिका ने अपने अनुभव के आधार पर "10 ऐसी बातें" बताई हैं, जिन्हें वह कॉर्पोरेट माहौल में कभी शेयर नहीं करतीं. उनका कहना है कि इन बातों को ऑफिस में किसी से साझा करने पर आप ऑफिस पॉलिटिक्स

सैलरी की जानकारी शेयर करने से अक्सर तुलना शुरू हो जाती है (Photo:Insta/@deepika.not.padukone)

के जाल में फंस सकते हैं. दीपिका ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा कि ऑफिस में जरूरत से ज्यादा निजी बातें शेयर करना धीरे-धीरे आपके करियर को नुकसान पहुंचा सकता है. कई बार हमें लगता है कि हम सामान्य बातचीत कर रहे हैं, लेकिन वही बातें आगे चलकर हमारी प्रोफेशनल इमेज को प्रभावित कर सकती हैं.

दीपिका के मुताबिक, सैलरी की जानकारी शेयर करने से अक्सर तुलना शुरू हो जाती है. इससे ऑफिस में अनावश्यक तनाव और दूरी पैदा होती है और लोग आपको जज करने लगते हैं. ऑफिस की गॉसिप या सहकर्मियों के बारे में नकारात्मक बातें करने से बचना चाहिए. ऐसी बातचीत में शामिल होने से आपकी छवि खराब हो सकती है और लोग आप पर भरोसा कम करने लगते हैं. पर्सनल रिलेशनशिप या घर की समस्याएं ऑफिस में बताने से लोग आपको कम प्रोफेशनल समझ सकते हैं. बेहतर है कि निजी जिंदगी की परेशानियों को ऑफिस से अलग रखा जाए. कभी भी धर्म और राजनीति की बातें करने से बचें. ⊙

सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया

इस वीडियो पर कई प्रोफेशनल्स ने अपनी राय दी. कुछ लोगों ने कहा कि उन्होंने भी अपने करियर में ऐसी गलतियां की हैं और बाद में उसका नुकसान उठाया. वहीं कुछ यूजर्स का मानना था कि जरूरी बातों को सही व्यक्ति के साथ शेयर करना भी जरूरी होता है. यह वीडियो बताता है कि कॉर्पोरेट लाइफ में सिर्फ मेहनत ही नहीं, बल्कि समझदारी से बातचीत करना भी उतना ही जरूरी है. हर बात शेयर करना जरूरी नहीं होता. सही सीमाएं तय करना ही करियर को सुरक्षित रखने का एक अहम तरीका है.

71 की उम्र में रिटायर्ड टीचर बने वायरल स्टार

क्या सपनों की कोई उम्र होती है? रील और वायरल के दौर में इस सवाल का जवाब है-नहीं. डिजिटल दुनिया ने कई लोगों को एक मंच दिया है, जहां उनके टैलेंट को पहचान मिल रही है. पश्चिम बंगाल के 71 साल के एक रिटायर शिक्षक की कहानी भी कुछ ऐसी ही है. उन्हें युवावस्था से ही सुर और ताल से प्यार था और उन्होंने इस जुनून को हमेशा जिंदा रखा. हालांकि इसकी असली पहचान उन्हें 71 साल की उम्र में मिली. ⊙

अमेरिकी कंटेंट क्रिएटर का वीडियो चर्चा में

पानी के अंदर कछुए ने मारा 'थप्पड़'

एक अमेरिकी कंटेंट क्रिएटर के अंडरवॉटर वीडियो ने सोशल मीडिया पर लोगों को खूब हंसाया है. इस वीडियो में एक कछुआ बार-बार उसके चेहरे पर फ्लिपर से 'थप्पड़' मारता नजर आता है, जिससे यह पल काफी मजेदार बन गया.

इस वीडियो को क्रिस्टोफर चांग ने शेयर किया है, जो समुद्र के भीतर डाइविंग और समुद्री जीवों के साथ अपने अनुभवों को रिकॉर्ड करते हैं. वीडियो में वह पानी के अंदर कैमरे के साथ तैरते दिखते हैं और कहते हैं कि मुझे समझ नहीं आ रहा कि इस कछुए को क्या हो

गया है, यह बार-बार मुझे थप्पड़ मार रहा है. कुछ ही देर बाद वह दोबारा गोता लगाकर दिखाते हैं कि आखिर हो क्या रहा है. ⊙

अमेरिका की महिला ने पूरी की आखिरी ख्वाहिश

बहन की हड्डियों से बनवाई 'विंड चाइम'

आज के समय में लोग अपने प्रियजनों को विदा करने के तरीके भी बदल रहे हैं. पहले जहां ज्यादातर लोग अंतिम संस्कार के लिए पारंपरिक तरीके जैसे दफनाना या जलाना अपनाते थे, वहीं अब कुछ लोग इसे ज्यादा व्यक्तिगत और खास बनाने की कोशिश कर रहे हैं.

ऐसा ही एक अनोखा मामला अमेरिका के डेनवर से सामने आया है, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया है. डेनवर में रहने वाली 43 साल की एरिन मेरेली ने अपनी बहन को याद रखने का एक बिल्कुल अलग तरीका अपनाया. उन्होंने अपनी बहन की हड्डियों से एक सुंदर 'विंड चाइम' बनवाई और उसे अपने घर की बालकनी में टांग

लोग अब पारंपरिक दफनाने और दाह संस्कार के साथ-साथ नए और व्यक्तिगत तरीकों को भी अपना रहे हैं. (Photo: AI Generated)

दिया. यह सुनकर भले ही थोड़ा अजीब लगे, लेकिन इसके पीछे एक खास वजह थी.दरअसल, एरिन की बहन को कला से बहुत लगाव था. मरने से पहले उन्होंने अपनी आखिरी इच्छा एरिन को बताई थी. उन्होंने कहा था कि उनकी मौत के बाद उनकी हड्डियों को एक नीली विंड चाइम में बदल दिया जाए. एरिन ने अपनी बहन की इसी इच्छा को पूरा करने का फैसला किया और उसे सच कर दिखाया. इस प्रक्रिया के लिए एरिन ने एक खास तरीका अपनाया, जिसे 'अल्कलाइन हाइड्रोलिसिस' कहा जाता है.

इसे आसान भाषा में समझें तो यह एक तरह का जल-आधारित अंतिम संस्कार है.

इसमें शरीर को पानी और कुछ केमिकल्स की मदद से धीरे-धीरे तोड़ा जाता है. इससे शरीर का हिस्सा एक तरल रूप में बदल जाता है, जिसे पौधों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है. ⊙

'बंदर' का टीजर देख फैंस बोले—ये कहानी कुछ अलग है

बॉबी देओल की 'बंदर' ने आते ही बढ़ाया सस्पेंस

बंदर का बहुप्रतीक्षित टीजर जारी हो चुका है और इसके साथ ही बॉबी देओल एक बार फिर बिल्कुल अलग अंदाज में दर्शकों के सामने आए हैं। करीब 1 मिनट 29 सेकंड के इस टीजर ने रिलीज होते ही उत्सुकता बढ़ा दी है। टीजर में बॉबी देओल समर नाम के ऐसे अभिनेता के किरदार में नजर आते हैं, जो कभी फिल्मी दुनिया का चमकता सितारा था, लेकिन अब बदलते दौर में अपनी पहचान बचाए रखने के लिए संघर्ष कर रहा है। टीजर की शुरुआत 70 के दशक की रेट्रो दुनिया से होती है। बैकग्राउंड में रिमैजिन किया गया डिस्को स्टाइल गीत "कम ऑन बेबी, दिल किसको देगी" सुनाई देता है, जो शुरुआती दृश्यों को एक पुरानी बॉलीवुड चमक देता है। इसी माहौल में समर का परिचय कराया जाता है। कभी स्टारडम का हिस्सा रहा यह किरदार अब शादियों और छोटे-मोटे कार्यक्रमों में परफॉर्म करने को मजबूर है। बॉबी देओल के चेहरे पर दिखती थकान, अकेलापन और खोती हुई पहचान इस किरदार को गहराई देती है। टीजर में धीरे-धीरे फिल्म के दूसरे किरदारों की भी झलक मिलती है। सबा आजाद समर की डेट के किरदार में दिखाई देती हैं, जबकि सपना पब्बी उनकी पूर्व प्रेमिका के रोल में नजर आती हैं। कहानी उस समय अचानक नया मोड़ लेती है, जब समर की गिरफ्तारी हो जाती है। इसके बाद टीजर का माहौल पूरी तरह बदल जाता है। जेल की सलाखें, पूछताछ के दृश्य और कोर्टरूम की झलक यह संकेत देती है कि समर अब सिर्फ अपनी पहचान नहीं, बल्कि अपनी बेगुनाही साबित करने की भी लड़ाई लड़ रहा है। फिल्म की कहानी एक ऐसे व्यक्ति के इर्द-गिर्द घूमती दिखाई देती है, जिसकी जिंदगी एक गंभीर आरोप के बाद पूरी तरह बदल जाती है। टीजर यह साफ कर देता है कि मामला जितना ऊपर से दिखता है, कहानी उससे कहीं अधिक जटिल और रहस्यमय है। इस फिल्म का निर्देशन अनुराग कश्यप ने किया है, जो देव डी, ब्लैक फ्राइडे, अग्ली और गैंग्स ऑफ वासेपुर जैसी चर्चित फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। खास बात यह है कि बॉबी देओल और अनुराग कश्यप पहली बार साथ काम कर रहे हैं। फिल्म में बॉबी देओल के अलावा सान्या मल्होत्रा, राज बी. शेट्टी और रिद्धि सेन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का लेखन सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी ने किया है, जो पाताल लोक, कोहरा और उड़ता पंजाब जैसी प्रभावशाली कहानियों से जुड़े रहे हैं। बताया जा रहा है कि बंदर भारत में घटी एक वास्तविक घटना से प्रेरित है। फिल्म का निर्माण निखिल द्विवेदी की सैफरन मैजिकवर्क्स ने किया है, जबकि ज़ी स्टूडियोज इसका समर्थन कर रहा है। यह फिल्म 5 जून 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

लखनऊ पुलिस लाइन में तैनात कांस्टेबल का वीडियो वायरल

IPS अधिकारियों पर भ्रष्टाचार और वसूली के आरोप से मचा हड़कंप

लखनऊ पुलिस लाइन में तैनात कांस्टेबल सुनील कुमार शुक्ला का वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें उन्होंने IPS अधिकारियों पर अवैध वसूली और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। उन्होंने मुख्यमंत्री से जांच की मांग की है। वीडियो में ड्यूटी लगाने के नाम पर हर महीने वसूली का दावा किया गया है।

लखनऊ कमिश्नरेट की रिजर्व पुलिस लाइन में तैनात एक कांस्टेबल का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में कांस्टेबल सुनील कुमार शुक्ला ने पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, विशेषकर आईपीएस अधिकारियों पर गंभीर भ्रष्टाचार और अवैध वसूली के आरोप लगाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि पूरे सिस्टम में अनियमितताएं व्याप्त हैं और पुलिस विभाग को "काले अंग्रेज" चला रहे हैं। कांस्टेबल ने मुख्यमंत्री से मामले में हस्तक्षेप कर निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। वीडियो में कांस्टेबल सुनील कुमार शुक्ला ने दावा किया कि रिजर्व पुलिस लाइन में ड्यूटी लगाने के नाम पर पुलिसकर्मियों से हर महीने अवैध वसूली की जाती है। उनके अनुसार, गार्ड कमांडर के माध्यम से सिपाहियों और दीवानों से लगभग दो हजार रूपये प्रति माह लिए जाते हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यह वसूली किसी एक स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि नीचे से ऊपर तक अधिकारियों तक इसका हिस्सा पहुंचता है।कांस्टेबल ने पुलिस व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि विभाग के भीतर एक संगठित तंत्र के तहत यह पूरा काम चलता है। उनके अनुसार, गणना प्रभारी, आरआई और अन्य अधिकारी इस व्यवस्था में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह पूरी प्रक्रिया लंबे समय से चल रही है और इसमें किसी प्रकार की पारदर्शिता नहीं है। सुनील कुमार शुक्ला ने यह भी दावा किया कि लखनऊ कमिश्नरेट में एक डाटा सेक्शन में लगभग 110 से 120 गार्ड तैनात हैं, जबकि वहां करीब 500 से 550 ड्यूटी लगाई जाती हैं। आरोप है कि इस व्यवस्था के तहत लगभग 400 पुलिसकर्मियों से हर महीने दो-दो हजार रूपये की वसूली की जाती है, जिससे कुल मिलाकर लगभग आठ लाख रूपये तक की अवैध उगाही होती है। उन्होंने यह भी कहा कि इसी तरह की वसूली अन्य स्थानों पर भी की जा रही है। वीडियो में कांस्टेबल ने भावुक होकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपील की कि इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। उन्होंने कहा कि उन्हें पुलिस विभाग के अंदर से न्याय मिलने की उम्मीद नहीं है, इसलिए सरकार को सीधे हस्तक्षेप करना चाहिए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।इस वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होते ही पुलिस विभाग में हलचल तेज हो गई है। कई स्तरों पर इस मामले की चर्चा हो रही है, लेकिन फिलहाल लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट की ओर से इस पूरे प्रकरण पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। यह मामला अब प्रशासनिक और राजनीतिक दोनों स्तरों पर चर्चा का विषय बन गया है। जहां एक ओर वीडियो में लगाए गए आरोपों ने पुलिस व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं, वहीं दूसरी ओर आधिकारिक जांच और बयान का इंतजार किया जा रहा है। आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि इस मामले की जांच किस दिशा में आगे बढ़ती है और क्या कार्रवाई की जाती है।

लखनऊ में किन्नर वेशधारी लुटेरा गैंग का भंडाफोड़

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के बिजनौर क्षेत्र में 4 मई को सुबह टहलने निकली विभा यादव से हुई लूट की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने किन्नर वेश में रहने वाले एक संगठित गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जो राहगीरों को निशाना बनाकर लूटपाट की घटनाओं को अंजाम देते थेइसी तरह का एक और मामला नाका इलाके से सामने आया था, जहां किन्नर के वेश में आए बदमाशों ने राजस्थान की एक महिला को लूट का विरोध करने पर जबरन ऑटो में बैठाकर अपहरण की कोशिश की थी। हालांकि एक राहगीर की सूझबूझ से महिला को बचा लिया गया। पुलिस के अनुसार यह गैंग मुख्य रूप से अकेले लोगों, खासकर महिलाओं और यात्रियों को निशाना बनाता था। आरोपी शादी और नेग मांगने के बहाने पहले बातचीत करते थे और फिर मौका पाकर लूट की वारदात को अंजाम देते थे। विभा यादव ने 4 मई को बिजनौर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें बताया गया कि किन्नर वेश में एक महिला ने उनसे 100 रूपये मांगे और फिर उनके गले से मंगलसूत्र व कानों की बालियां छीनकर फरार हो गई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच करते हुए मंगलवार को बिजनौर के अलीनगर खुर्द अंडरपास के पास से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान अजय रावत उर्फ रानी किन्नर, आकाश गुप्ता उर्फ कमौलिका और रफीक अहमद के रूप में हुई है। इस मामले में एक अन्य आरोपी फरार बताया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि गिरोह के अन्य सदस्य भी सक्रिय हो सकते हैं और उनकी तलाश जारी है।

टर्बुलेंस से हिली दिल्ली-पटना फ्लाइट

लखनऊ में हुई सुरक्षित लैंडिंग

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

दिल्ली से पटना जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6E-6497 गुरुवार को खराब मौसम के बीच टर्बुलेंस का शिकार हो गई। विमान में सवार यात्रियों में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि, फ्लाइट की कमान संभाल रहे पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री और पायलट राजीव प्रताप रूडी ने सूझबूझ दिखाई। पटना में फ्लाइट की लैंडिंग नहीं हो सकी तो इसे लखनऊ डायवर्ट किया और सुरक्षित लैंडिंग कराई। फ्लाइट के सुरक्षित उतरने के बाद यात्रियों ने राहत की सांस ली। यहां फ्लाइट के कैप्टन और सांसद राजीव प्रताप रूडी ने यात्रियों से कहा- अब आप ताली बजा सकते हैं। आप सुरक्षित लैंड कर चुके हैं। जानकारी के मुताबिक, इंडिगो की फ्लाइट 6E6497 दिल्ली से पटना के लिए रवाना हुई थी। उड़ान के दौरान मौसम अचानक खराब हो गया और फ्लाइट हिचकोले खाने लगी। विमान के जोरदार हिचकोले खाने से यात्रियों में डर का माहौल बन गया। कई यात्री घबरा गए और केबिन में कुछ देर तनाव की स्थिति रही। कैप्टन राजीव प्रताप रूडी ने फ्लाइट को पटना में कई बार उतारने की कोशिश की, लेकिन लैंड नहीं करा पाए। कैप्टन ने यात्रियों को खराब मौसम की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि फ्लाइट को बनारस की ओर डायवर्ट किया जा रहा है।

हालांकि, वहां से भी क्लियरेंस नहीं मिला। इस वजह से फ्लाइट को लखनऊ डायवर्ट किया गया। लैंडिंग के बाद कैप्टन रूडी ने यात्रियों से मुस्कुराते हुए कहा- अब आप ताली बजा सकते हैं। इसके बाद विमान में मौजूद यात्रियों ने तालियां बजाकर उनका अभिवादन किया। इस दौरान कई यात्रियों ने उनकी सूझबूझ और शांत तरीके से स्थिति संभालने की सराहना की।

लखनऊ एयरपोर्ट पर एआईयू की बड़ी कार्रवाई,

2.86 करोड़ का गांजा बरामद

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

खुफिया सूचना के आधार पर एआईयू टीम ने बुधवार रात बैंकॉक से लखनऊ पहुंची एयर एशिया की फ्लाइट संख्या FD-146 के एक यात्री को ग्रीन चैनल पर रोका। रात 10:35 बजे पहुंची इस फ्लाइट के यात्री पर संदेह होने पर अधिकारियों ने उसके चेक-इन बैगेज की गहन तलाशी ली। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एयर इंटेलिजेंस यूनिट (एआईयू) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करोड़ों रूपये का गांजा बरामद किया है। बैंकॉक से आए एक पैसेंजर के पास से लगभग 2.859 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक वीड (गांजा) मिला, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 2.86 करोड़ रूपये बताई जा रही है। यात्री को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। जांच के दौरान यात्री के बैग से 12 पारदर्शी वैक्यूम पैक पाउच बरामद हुए। इन पाउचों में हरे फूल और फलनुमा पदार्थ भरे थे। शुरुआती जांच में अधिकारियों ने इसे गांजा/मारिजुआना यानी हाइड्रोपोनिक वीड के रूप में पहचाना। अधिकारियों ने बरामद प्रतिबंधित मादक पदार्थ को एनडीपीएस अधिनियम 1985 की धारा 43 के तहत जब्त कर लिया। पूछताछ के बाद आरोपी यात्री को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। एआईयू अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है।

लखनऊ में तड़के गरज-चमक के साथ बारिश

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में गुरुवार तड़के गरज-चमक के साथ बारिश हुई। इस दौरान तेज हवाएं चलीं। भोर में 4:30 बजे मौसम बिगड़ते ही कई इलाकों की बिजली कट गई। सुबह से काले बादल छाए रहे। करीब 9 बजे धूप निकल आई। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 23 डिग्री रिकॉर्ड किया जाएगा। बुधवार को अधिकतम तापमान 33.3 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 6.4 डिग्री कम था। वहीं, न्यूनतम तापमान 21 डिग्री रहा, जो सामान्य से 3.3 डिग्री कम था। मौसम में अधिकतम नमी 74 फीसदी और न्यूनतम 45 फीसदी दर्ज हुई। मौसम विभाग ने 40-60 किलोमीटर प्रतिघंटे की स्पीड से आंधी चलने और बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान गरज-चमक भी होती रहेगी। आज मौसम में अधिकतम नमी 80 फीसदी तक पहुंचेगी। वहीं, न्यूनतम नमी 40 फीसदी रिकॉर्ड की जा सकती है। भोर से ही शुरू हुई बारिश सुबह दिन निकलने के बाद तक जारी रही। इस दौरान ऑफिस के लिए निकलने वाले लोगों को परेशानी हुई। अन्य जरूरी काम से भी घर से बाहर निकले राहगीरों को दिक्कत हुई। कोई छाता लेकर तो कोई प्रचार का बैनर ओढ़कर ही निकल पड़ा। हनुमान सेतु के पास फंक्शन के लिए लगाया गया टेंट हवा के झोंकों से गिर गया।

लखनऊ में आधी रात भाजपा मुख्यालय पर

सपा महिला कार्यकर्ताओं का हंगामा

सपा की महिला कार्यकर्ताओं ने अखिलेश यादव और योगी आदित्यनाथ की तुलना को लेकर भाजपा के प्रदेश मुख्यालय पर आधी रात को धावा बोल दिया. वहां काफी देर तक हंगामा होता रहा. भाजपा कार्यालय अंदर से बंद कर दिया गया. मौके पर कुछ भाजपा कार्यकर्ता भी पहुंचे. हजरतगंज पुलिस की महिला सिपाहियों ने महिला कार्यकर्ताओं को उठाकर हवालात पहुंचा दिया. मंगलवार आधी रात भाजपा मुख्यालय के बाहर सपा की महिला कार्यकर्ता अचानक पहुंचीं और गेट पर प्रदर्शन शुरू कर दिया. महिलाओं के पहुंचते ही भाजपा कार्यालय का गेट अंदर से बंद कर दिया गया. इसके बाद सपा महिला सभा की प्रदेश सचिव रंजना पटेल के नेतृत्व में कार्यकर्ता गेट पर ही बैठ गईं और नारेबाजी करने लगीं. महिलाएं भाजपा सरकार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगा रही थीं. थोड़ी देर बाद भाजपा कार्यकर्ता भी गेट से बाहर आए. उन्होंने सपा के विरोध में और सीएम योगी और भाजपा के समर्थन में जिंदाबाद के नारे लगाए. दोनों पक्षों की नारेबाजी से माहौल गरम हो गया. सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारी महिलाओं को हटाने लगी. इस दौरान पुलिस और महिला कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की और नोकझोंक हुई. काफी देर की मशक्कत के बाद पुलिस ने सभी प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया. महिलाएं अपने साथ पोस्टर भी लाई थीं. पोस्टर में सीएम योगी और पूर्व सीएम अखिलेश यादव की तुलना की गई थी. एक तरफ योगी की तस्वीर के नीचे कई आईपीसी धाराओं के मुकदमे लिखे थे. दूसरी तरफ अखिलेश यादव की तस्वीर के साथ 'स्वच्छ छवि बेदाग नेता' लिखा था. पोस्टर में सबसे नीचे लिखा था 'चुनाव आपका, फैसला आपका. रंजना पटेल ने कहा कि भाजपा नेता अखिलेश यादव की छवि खराब कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि हमारे नेता पर गलत टिप्पणी बर्दाश्त नहीं करेंगे. अखिलेश यादव साफ छवि के नेता हैं. उन पर कोई आपराधिक मुकदमा नहीं है. उन्होंने प्रदेश में महिला सुरक्षा पर भी सवाल उठाए. कहा कि यूपी में बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं हैं. हर जिले में अपराध बढ़ रहे हैं, लेकिन सरकार ध्यान नहीं दे रही. वहीं भाजपा प्रवक्ता हीरो बाजपेई ने कहा कि सपा ने अपने कृत्य से साबित कर दिया कि उनका चरित्र अराजकता का है. जब-जब सपा की सरकार आई, अराजकता फैली. यह योगी आदित्यनाथ की सरकार है, ऐसी हरकतों का कड़ा जवाब दिया जाएगा.

अपर्णा यादव ने उन्नाव जिला अस्पताल का किया निरीक्षण

अल्ट्रासाउंड जांच में देरी पर अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

राज्य महिला आयोग की सदस्य अपर्णा यादव ने गुरुवार को उन्नाव जिला अस्पताल का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं, मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं और विशेष रूप से महिला स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कई खामियां और सुधार के बिंदु सामने आए, जिन पर उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान सबसे प्रमुख मुद्दा अल्ट्रासाउंड जांच सेवाओं में हो रही देरी का रहा। मरीजों और उनके परिजनों ने शिकायत की कि जांच के लिए उन्हें 15 से 20 दिन बाद की तारीख दी जा रही है, जिससे गंभीर मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस स्थिति पर अपर्णा यादव ने नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि इस तरह की देरी किसी भी हालत में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि यह समस्या पहले भी उनके संज्ञान में लाई गई थी और उस समय भी स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि महिलाओं और गंभीर मरीजों को लंबी प्रतीक्षा सूची में नहीं डाला जाए। अपर्णा यादव ने यह भी बताया कि इस मुद्दे पर पहले विशेष जांच कराई गई थी ताकि मरीजों को मजबूरी में निजी जांच केंद्रों का सहारा न लेना पड़े और सरकारी अस्पताल की सेवाओं पर उनका भरोसा बना रहे। निरीक्षण के दौरान अपर्णा यादव ने यह भी स्वीकार किया कि जिला अस्पताल में मरीजों की संख्या काफी अधिक है, जबकि अल्ट्रासाउंड मशीनों और प्रशिक्षित विशेषज्ञों की उपलब्धता अपेक्षाकृत कम है। इसी कारण जांच सेवाओं पर अत्यधिक दबाव बन रहा है। उन्होंने कहा कि इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए शासन को अतिरिक्त अल्ट्रासाउंड मशीनें और योग्य सोनोग्राफर उपलब्ध कराने के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। उनका मानना है कि यदि संसाधनों और विशेषज्ञों की संख्या बढ़ाई जाती है तो मरीजों को समय पर जांच सुविधा मिल सकेगी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल में हाल ही में किए गए सुधार कार्यों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि पिछली बार जब उन्होंने अस्पताल का दौरा किया था, तब परिसर में रोशनी की कमी और शौचालयों की खराब स्थिति जैसी समस्याएं सामने आई थीं। लेकिन इस बार स्थिति में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। उन्होंने बताया कि अस्पताल में प्रकाश व्यवस्था बेहतर हुई है और वार्डों के शौचालयों के मरम्मत कार्य तेजी से पूरे किए जा रहे हैं, जो एक सकारात्मक संकेत है।इस दौरान अपर्णा यादव ने महिला चौपाल कार्यक्रम में भी भाग लिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपनी बात रखने का पूरा अवसर मिलना चाहिए और समाज में ऐसा माहौल बनना चाहिए जहां वे बिना किसी डर या झिझक के अपनी समस्याएं साझा कर सकें। उन्होंने जनप्रतिनिधियों और समाज से अपील की कि महिलाओं को सार्वजनिक मंचों पर बोलने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। निरीक्षण के दौरान अस्पताल प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। उन्होंने महिला आयोग की सदस्य को अस्पताल में संचालित स्वास्थ्य सेवाओं, उपलब्ध संसाधनों और चल रहे विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। अपर्णा यादव ने अंत में आश्वासन दिया कि महिला स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे और आवश्यक संसाधनों की कमी को जल्द दूर किया जाएगा, ताकि मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं समय पर मिल सकें।

पुरवा तहसील में सरकारी भूमि पर बड़ा अतिक्रमण हटाओ अभियान

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

जिलाधिकारी के निर्देश पर पुरवा तहसील प्रशासन ने सरकारी भूमि और तालाब पर किए गए अवैध अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। दो स्थानों पर जेसीबी की मदद से अवैध निर्माण ध्वस्त कर लगभग 60 लाख रुपये मूल्य की सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। इस दौरान राजस्व और पुलिस विभाग की टीम मौके पर मौजूद रही। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, पहला मामला तहसील पुरवा के ग्राम अकोहरी, परगना मौरावां का है। यहां गाटा संख्या 395, जो राजस्व अभिलेखों में बंजर भूमि के रूप में दर्ज है, उसके 0.013 हेक्टेयर हिस्से पर सुभाष चंद्र ने अवैध कब्जा कर लिया था। यह भूमि मौरावां-अकोहरी-गुरबक्शगंज मुख्य मार्ग के किनारे स्थित है। आरोप है कि सुभाष चंद्र ने भूमि पर पिलर गाड़कर अतिक्रमण किया था। प्रशासन द्वारा कई बार नोटिस और मौखिक निर्देश दिए जाने के बावजूद कब्जा नहीं हटाया गया। इसके बाद छह मई को प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर अवैध अतिक्रमण को ध्वस्त कर भूमि को कब्जामुक्त कराया। दूसरा मामला भी ग्राम अकोहरी से संबंधित है। यहां गाटा संख्या 5332, जो अभिलेखों में तालाब की भूमि के रूप में दर्ज है और जिसका कुल रकबा 0.948 हेक्टेयर है, उसके 0.013 हेक्टेयर हिस्से पर राजेश पुत्र प्रेमनाथ निवासी पठई मजरा अकोहरी द्वारा अवैध निर्माण कराया जा रहा था। आरोपी ने पिलर और दीवार खड़ी कर तालाब की जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया। प्रशासन ने निर्माण रोकने के कई निर्देश दिए, लेकिन कार्य जारी रहा। छह मई को प्रशासनिक टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध निर्माण को गिरवा दिया और तालाब की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया।

हाथरस में महाराणा प्रताप की स्मृति में भव्य शोभायात्रा की तैयारी पूरी

टीवी भारतवर्ष हाथरस

हाथरस अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा द्वारा आगामी 9 मई दोपहर 1 बजे से हाथरस की धरा पर क्षत्रिय वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की स्मृति में एक अविस्मरणीय और ऐतिहासिक शोभायात्रा निकालने की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। इस बार की शोभायात्रा अपनी भव्यता और सांस्कृतिक विविधता के लिए जनपद में चर्चा का विषय बनी हुई है। कार्यक्रम के अध्यक्ष अनिल सिसोदिया ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष शोभायात्रा को और भी भव्य रूप दिया गया है। यात्रा में विशेष रूप से उज्जैन से आए डमरू दल और नासिक ढोल की गूँज और राजस्थान के पारंपरिक नगाड़ों की थाप आकर्षण का केंद्र रहेगी। इसके साथ ही, राजसी ठाट-बाट के साथ दर्जनों घोड़े और ऊंट यात्रा की शोभा बढ़ाएंगे। भारत के महान महापुरुषों की गौरवशाली गाथाओं को दर्शाती हुई मनमोहक झांकियां निकाली जाएंगी। नासिक के ढोल और विभिन्न बैंडों की सुमधुर प्रस्तुतियां पूरे मार्ग को भक्ति और शौर्य के रस में सराबोर कर देंगी। शोभायात्रा का शुभारंभ गौशाला रोड स्थित तुलसी स्मृति भवन से होगा, जहाँ आयोजन समिति द्वारा पधारे हुए सभी आगंतुकों और अतिथियों का भव्य स्वागत-सम्मान किया जाएगा। साथ ही यहाँ प्रसादी की भी उचित व्यवस्था रहेगी। शोभायात्रा के समापन पर दाऊजी महाराज मंदिर में एक विशाल प्रसादी वितरण का आयोजन होगा, जहाँ सभी भक्तजन प्रसाद ग्रहण करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी अनिल सिसोदिया के अनुसार, शोभायात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश महामंत्री (भाजपा) रामप्रताप सिंह चौहान उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ सिकंदराराऊ विधायक वीरेंद्र राणा द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया जाएगा। मुख्य वक्ता के रूप में एमएलसी मानवेंद्र सिंह गुरुजी और ब्रज क्षेत्र महामंत्री नागेन्द्र सिंह सिकरवार अपना उद्बोधन देंगे। इसके अतिरिक्त, पूर्व विधायक सुरेश प्रताप गांधी, यशपाल सिंह चौहान, राजवीर सिंह पहलवान, पूर्व एमएलसी राकेश सिंह राणा, और क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री मतेंद्र सिंह गहलोत व प्रदेश महासचिव योगेंद्र सिंह गहलोत सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग इस गौरवमयी यात्रा के साक्षी बनेंगे। यह शोभायात्रा तुलसी स्मृति भवन से शुरू होकर गौशाला रोड, भूरापीर चौराहा, मेंडू गेट चौराहा, सर्कुलर रोड, कमला बाजार, पंजाबी मार्केट, घंटाघर, बृजवाल कुआं, चुनावाला डंडा, लोहट बाजार, पत्थर वाला बाजार और नयागंज होते हुए दाऊजी महाराज मंदिर पर संपन्न होगी। आयोजक अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ने समस्त जनपदवासियों से अपील की है कि इस ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक उत्सव में सहभागी बनकर इसे सफल बनाएं।

उन्नाव शिक्षा विभाग में 65 लाख के घोटाले का खुलासा

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के शिक्षा विभाग में वित्तीय अनियमितताओं का बड़ा मामला सामने आया है। पुरवा स्थित एमआरएस इंटर कॉलेज में करीब 65 लाख रुपए के कथित घोटाले का खुलासा होने के बाद विभाग में हड़कंप मच गया है। मामले में कॉलेज के बाबू और डीआईओएस कार्यालय में तैनात एक लिपिक पर मिलीभगत के गंभीर आरोप लगे हैं। जानकारी के अनुसार, घोटाले का खुलासा तब हुआ जब कॉलेज में तैनात सहायक लिपिक राधेश्याम ने उच्चाधिकारियों से वित्तीय अनियमितताओं की शिकायत की। शिकायत में आरोप लगाया गया कि कॉलेज और विभागीय कार्यालय के कुछ कर्मचारियों की मिलीभगत से कर्मचारियों के खातों में लाखों रुपए ट्रांसफर किए गए और बाद में रकम कथित तौर पर रिश्तेदारों के खातों के जरिए निकाल ली गई। बैंक खातों में संदिग्ध लेनदेन की जानकारी सामने आने के बाद शिक्षा विभाग हरकत में आया। बताया जा रहा है कि कोषागार से एक खाते में 2 लाख 93 हजार 913 रुपये भेजे गए थे। इसके अलावा अन्य खातों में भी बड़े पैमाने पर संदिग्ध ट्रांजैक्शन सामने आए हैं। प्रारंभिक जांच में कई बैंक खातों के माध्यम से धनराशि के आदान-प्रदान की पुष्टि होने के बाद अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लिया है। डीआईओएस सुनील दत्त ने मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की है। समिति ने जांच शुरू करते हुए कॉलेज के लिपिकों, परिचारकों और अन्य कर्मचारियों से पूछताछ की है। कई कर्मचारियों के बैंक स्टेटमेंट भी जांच के दायरे में लिए गए हैं। सूत्रों के मुताबिक, जांच के दौरान कुछ खातों में बड़ी रकम के आने-जाने की जानकारी मिली है, जिससे गड़बड़ी की आशंका और गहरा गई है। अधिकारियों द्वारा संबंधित कर्मचारियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं और बैंक खातों में हुए लेनदेन का मिलान कराया जा रहा है। विभागीय अधिकारी फिलहाल खुलकर कुछ भी कहने से बच रहे हैं। उनका कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सासनी में भगवान परशुराम की प्रतिमा स्थापना की उठी मांग

टीवी भारतवर्ष हाथरस

सासनी। कोतवाली चौराहे के सौंदर्यीकरण को लेकर, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और जागरूक नागरिकों ने जिला प्रशासन से एक चैराहे पर भगवान परशुराम की प्रतिमा स्थापित करने की मांग करते हुए डीएम अतुल वत्स को एक ज्ञापन सौंपा है।बुधवार को पूर्व प्रधान लुटसान विष्णु शर्मा और एके ग्रुप ऑफ एजुकेशन के अध्यक्ष मुदित बहादुर भारद्वाज के नेतृत्व में जिलाधिकारी अतुल वत्स को ज्ञापन सौंपते हुए लोगों ने चौराहे पर भगवान परशुराम की प्रतिमा स्थापित करने और इसे भगवान परशुराम चौक के रूप में विकसित करने का आग्रह किया है। ज्ञापन के माध्यम से कहा है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए चैराहे का नामकरण भगवान परशुराम चौक किया जाए और प्रतिमा स्थापना के लिए आवश्यक अनुमति प्रदान की जाए। स्थानीय निवासियों का तर्क है कि चौराहे के नए स्वरूप के साथ भगवान परशुराम की प्रतिमा स्थापित होने से क्षेत्र के लोगों की आस्था और सांस्कृतिक पहचान मजबूत होगी। वर्तमान में चैराहे का सौंदर्यीकरण कार्य प्रगति पर है। ज्ञापन देने वालों में विष्णु शर्मा और मुदित बहादुर भारद्वाज के अलावा मोहित बजरंगी, हर्ष वर्धन, दीपश मुद्गल, मनोज जोशी, विशाल शर्मा, गौरव पाठक, नवीन उपाध्याय और सुशांत प्रभाकर सहित कई अन्य स्थानीय निवासियों और समर्थकों के हस्ताक्षर हैं।

मंडी परिसर में हुई चोरी की घटना को लेकर व्यापारियों में आक्रोश

हाथरस। थाना हाथरस गेट क्षेत्र के मंडी परिसर में हुई चोरी की घटना को लेकर व्यापारियों में आक्रोश व्याप्त है। गुरुवार को आढ़तिया एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम सदर राज बहादुर और सीओ सिटी योगेंद्र कृष्ण नारायण से मुलाकात कर मंडी की खराब सुरक्षा व्यवस्था पर नाराजगी जताई। व्यापारियों ने कहा कि मंडी परिसर में लगे अधिकांश सीसीटीवी कैमरे खराब हैं और सुरक्षा गार्ड भी सही ढंग से ड्यूटी नहीं कर रहे हैं, जिससे व्यापारी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। व्यापारियों ने चोरी की घटना का जल्द खुलासा करने और सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की। अधिकारियों ने व्यापारियों को आश्वासन दिया कि घटना का जल्द खुलासा किया जाएगा और मंडी की सुरक्षा व्यवस्था में सुधार कराया जाएगा। इस दौरान आढ़तिया एसोसिएशन के कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश में बनेंगे क्लीन प्लांट सेंटर, किसानों को मिलेंगे रोगमुक्त पौधे

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रहमानखेड़ा में कहा कि उत्तर प्रदेश में क्लीन प्लांट सेंटर स्थापित होंगे, जिससे किसानों को रोगमुक्त पौधे मिलेंगे। आम, केला और अंगूर के निर्यात बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। मलिहाबाद के आमों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने के लिए आधुनिक तकनीक पर जोर दिया गया।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में जल्द ही क्लीन प्लांट सेंटर स्थापित किए जाएंगे, जहां किसानों को रोगमुक्त और उच्च गुणवत्ता वाले पौधे उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस पहल में निजी क्षेत्र की भागीदारी को भी प्रोत्साहित किया जाएगा, ताकि बागवानी क्षेत्र को नई गति मिल सके। शिवराज सिंह चौहान आज रहमानखेड़ा में शुरू हुए दो दिवसीय 'फ्रूट होराइजन-2026' कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान उनके साथ कृषि राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह भी मौजूद रहे। दोनों नेताओं ने ट्रैक्टर पर बैठकर आम के बागों का निरीक्षण किया। शिवराज सिंह चौहान ने पेड़ों पर लगे आमों को हाथ से छूकर उनकी गुणवत्ता जानी और बागवानों से फलों की विशेषताओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने किसानों से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याएं और सुझाव भी सुने।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सरकार का लक्ष्य आम और केले के निर्यात में 5 प्रतिशत तथा अंगूर के निर्यात में 15 प्रतिशत की वृद्धि करना है। उन्होंने बताया कि भारतीय आम की शेल्फ लाइफ 25 से 30 दिनों तक बढ़ाने में सफलता मिली है और अब इसे 40 से 50 दिनों तक बढ़ाने के लिए काम किया जा रहा है। उनका कहना था कि निर्यात लागत कम करने के लिए समुद्री मार्ग को बढ़ावा दिया जाएगा। साथ ही अर्जेंटीना, दक्षिण अफ्रीका और दक्षिण कोरिया जैसे नए अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारतीय आम पहुंचाने की तैयारी चल रही है।उन्होंने कहा कि मलिहाबाद के आमों की रूस समेत कई देशों में पहले से भारी मांग है। एक्सपोर्ट क्लस्टर और क्लीन प्लांट सेंटर बनने से किसानों को बेहतर बाजार, अच्छी कीमत और ज्यादा मुनाफा मिलेगा। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश की जलवायु फलों की खेती के लिए बेहद अनुकूल है और राज्य में 70 हजार हेक्टेयर अतिरिक्त बागवानी शुरू की जा चुकी है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि विकसित भारत के लिए विकसित खेती जरूरी है। किसानों को आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक खेती और वैश्विक बाजार से जोड़ना समय की जरूरत है। उन्होंने घोषणा की कि जल्द ही एक एकीकृत प्लेटफॉर्म तैयार किया जाएगा, जो पौध तैयार होने से लेकर फल बाजार तक पहुंचने की पूरी प्रक्रिया को व्यवस्थित करेगा। किसानों को फसल संरक्षण, गुणवत्ता सुधार, पैकेजिंग, भंडारण और निर्यात संबंधी प्रशिक्षण देने के लिए विशेष टीमें भी बनाई जाएंगी। इस दौरान दिनेश प्रताप सिंह ने अधिकारियों को सख्त संदेश देते हुए कहा कि किसानों के हित में अब पूरी गंभीरता से काम करना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य के किसानों की फसल को वैश्विक बाजार तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है।

वाराणसी में क्रूज पर सेल्फी लेते समय गंगा में गिरा युवा नेता

वाराणसी में क्रूज से सेल्फी लेने के चक्कर में एक युवा नेता गंगा नदी में गिर गए। नदी के तेज बहाव और अंधेरा के चलते देर रात उनको खोजा नहीं जा सका। गुरुवार सुबह एनडीआरएफ ने फिर सर्चिंग शुरू की। करीब 7 घंटे बाद शव बाहर निकाला जा सका। हादसा बुधवार देर रात की है। मृतक की पहचान ग्रेटर नोएडा के हर्षवर्धन ठाकुर के रूप में हुई है। वह बीजेपी समर्थित भारतीय श्रमिक कामगार कर्मचारी महासंध के प्रदेश मंत्री थे। वह अपने 5 दोस्तों के साथ काशी घूमने पहुंचे थे। ग्रेटर नोएडा के रहने वाले हर्षवर्धन ठाकुर (27) बुधवार शाम को अपने पांच साथियों कुशाग्र सिंह, दुर्गेश प्रताप सिंह, विपुल कुमार, जीत सिंह, ललित कुमार के साथ वाराणसी पहुंचे थे। बुधवार रात करीब 12.30 बजे सभी दोस्त गंगा घाट पर पहुंचे थे। दोस्त ललित ने बताया- हम लोगों को तड़के 3 बजे होने वाली मंगला आरती में शामिल होना था। इसलिए हम आधी रात को ही घाट पर पहुंच गए थे। मान घाट पर हम लोग आरती के पहले घूमने लगे। घाट पर कई क्रूज खड़े थे। हर्षवर्धन उस क्रूज पर स्नैप (सेल्फी) बनाने के लिए चढ़ गए। उनके दोनों हाथों में फोन थे। एक क्रूज के ऊपर चढ़कर उन्होंने सेल्फी ली और वीडियो बनाए। इसके बाद वह दूसरे क्रूज पर जाने लगे। तभी उनका पैर फिसल गया और वह गंगा में गिर गए। नदी में वह डूबने लगे। मदद के लिए जोर से चिल्लाए। हम लोग भी उनको बचाने के लिए मदद मांगने लगे। घाट पर मौजूद गोताखोर शोर सुनकर पहुंचे और उनको बचाने के लिए नदी में छलांग लगा दी। करीब 3 घंटे तक उन्हें खोजा गया। मगर वह नहीं मिले। इसके बाद रेस्क्यू बंद कर दिया गया।

यूपी दरोगा भर्ती 2025 का रिजल्ट जारी, 12,333 अभ्यर्थी सफल

उत्तर प्रदेश में दरोगा भर्ती 2025 की लिखित परीक्षा का परिणाम गुरुवार को जारी कर दिया गया। यूपी पुलिस भर्ती एवं पदोन्नति बोर्ड (UPPRPB) ने 4543 पदों के लिए आयोजित इस परीक्षा में कुल 12,333 अभ्यर्थियों को सफल घोषित किया है। यह संख्या रिक्त पदों के मुकाबले लगभग 2.7 गुना है। इसमें समान कटऑफ अंक प्राप्त करने वाले सभी उम्मीदवारों को भी शामिल किया गया है।सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों का कटऑफ 369.87854 रहा, जबकि अनुसूचित जनजाति वर्ग का कटऑफ 334.65475 निर्धारित किया गया है। महिला बटालियन के लिए उप निरीक्षक (नागरिक पुलिस) पदों के अंतर्गत स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित वर्ग की महिला अभ्यर्थियों का कटऑफ 266.40593 और भूतपूर्व सैनिक वर्ग की अनारक्षित श्रेणी की महिलाओं का कटऑफ 223.48777 रहा। भर्ती प्रक्रिया के अगले चरण में चयनित अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन (DV), शारीरिक मानक परीक्षण (PST) और शारीरिक दक्षता परीक्षा (PET) से गुजरना होगा। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि इन चरणों की तैयारी पूरी कर ली गई है और विस्तृत कार्यक्रम जल्द ही आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किया जाएगा। दरोगा भर्ती के लिए लिखित परीक्षा 14 और 15 मार्च 2026 को चार पालियों में आयोजित की गई थी। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन अगस्त-सितंबर 2025 के बीच मांगे गए थे। अब चयनित अभ्यर्थियों का दस्तावेज सत्यापन और शारीरिक परीक्षण मई के तीसरे सप्ताह में प्रस्तावित है, जबकि शारीरिक दक्षता परीक्षा जून 2026 में कराई जाएगी।भर्ती बोर्ड ने कहा है कि परीक्षा केंद्र, तारीख और समय से जुड़ी सभी जानकारी जल्द ही आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी। अभ्यर्थियों को परिणाम देखने के लिए वेबसाइट पर दिए गए लिंक पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन नंबर और जन्मतिथि दर्ज करनी होगी। इस परिणाम के बाद अब चयनित उम्मीदवार अगले चरण की तैयारी में जुट गए हैं, जहां उनके शारीरिक और दस्तावेजी मानकों की जांच की जाएगी।

हमीरपुर में यमुना नदी में नाव पलटी, 6 लोगों की मौत

हमीरपुर में यमुना नदी में नाव पलट गई। नाव में 8 बच्चों समेत 9 लोग सवार थे। नाविक ने 3 को बचा लिया, लेकिन एक महिला और 5 बच्चे यानी 6 लोग डूब गए। गुरुवार दोपहर तक 5 शव बरामद किए जा चुके हैं। बारिश के बीच एक बच्चे की तलाश के लिए यमुना में रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। एनडीआरएफ, फ्लड पीएसी के 100 जवानों की टीम रेस्क्यू में जुटी है। अधिकारियों का कहना है कि नदी काफी गहरी होने की वजह से गोताखोरों को रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कत आ रही है। इस वजह से नावों को गोल-गोल पानी में घुमाया जा रहा है, ताकि अगर कोई नीचे दबा हो तो पानी के प्रेशर से बाहर आ जाए। थोड़ी देर में टीम नदी में जाल डालकर बच्चे को तलाशने की कोशिश करेगी। डूबे बच्चे के मां-बाप और परिवार के लोग घाट किनारे बैठे हैं। एक बच्चे की मां अफसरों के सामने हाथ जोड़कर बोली- साहब, मेरा बच्चा ले आइए। हादसा बुधवार शाम 6 बजे का है। आंधी-बारिश की वजह से रात 11 बजे रेस्क्यू रोकना पड़ा। गुरुवार सुबह 6 बजे से 10 नाव से रेस्क्यू शुरू किया गया। 3 घंटे बाद सुबह 9 से 10 बजे के बीच में 3 और दोपहर एक बजे 2 शव बरामद हुए। ये शव ब्रजरानी (25), अर्चना (14), रानी (9), लव्यांश (5) और आकांक्षा (9) के हैं। 11 साल का आदित्य अब भी लापता है। हादसास्थल जिला मुख्यालय से 25 किमी दूर कुरारा थाना क्षेत्र में हुआ। सभी बच्चे नाव पर सवार होकर नदी के पार एक टापू पर खरबूजा-ककड़ी खाने गए थे। लौटते समय नदी के बीच नाव पलट गई।